➢ गोरखपुर मण्डल – दिनांक 29 जून से 01 जुलाई 2015

डा0 पंकज सक्सेना, महाप्रबन्धक (परिवार नियोजन) के नेतृत्व में भ्रमण टीम द्वारा गोरखपुर मण्डल का भ्रमण किया गया। जनपद में अनुश्रवण के दौरान निम्न महत्वपूर्ण बिन्दु प्रकाश में आये। इनका इकाईवार विवरण निम्न है।

♦ आंगनबाडी केन्द्र, रमपुरवा, जनपद महराजगंज

- ए0एन0एम0 से एम0टी0सी0एस0 का वर्क प्लान माँगने पर ए0एन0एम0 द्वारा असमर्थता व्यक्त की गई एवं अवगत कराया गया कि ब्लाक स्तर से एम0टी0सी0एस0 का वर्क प्लान जनरेट करके नहीं दिया जा रहा है।
- आंगनबाडी द्वारा पोषाहार वितरण नहीं किया जा रहा था। आशाओं के पास उनके ग्राम स्वास्थ्य सूचकांक रजिस्टर अपडेट थे।

♦ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, परतावल, जनपद–महराजगंज

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चील्ह पर लगभग दो सौ प्रसव प्रतिमाह कराये जाते है। आर0बी0एस0के0 टीम का भ्रमण कार्य संतोषजनक नहीं था, सुबह 8 से 11 बजे तक भ्रमण के पश्चात टीम के सदस्य अपने घर वापस चले गये। डेन्टल हाइजीनिस्ट बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित थे। डेन्टल सेक्सन में उपकरणों पर जंग लगी हुई थी जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि लम्बे समय से उनका प्रयोग एवं रखरखाव नहीं किया जा रहा है।
- प्रसव कक्ष में कैलीज पैड फटे हुए तथा चादरे अत्यधिक गन्दी थी, मैक्नीतोश नही डाले गये थे, एल्बोटैब नहीं लगा है।
- डाटस दिवस होने के बाद भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डाटस प्रोवाइडर नहीं थे।
- इमरजेन्सी ड्रग लिस्ट ट्रे के साथ उपलब्ध नहीं थी। स्टार्फ नर्स द्वारा पार्टोग्राफ मेन्टेन नहीं किया जा रहा था। Mag. Sulph सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द में स्टाक में नहीं थी।
- कोल्ड चेन कक्ष में डीप फ्रिजर में आइस पैक गलत ढंग से रखे पाये गये, जिन्हे प्रोटोकाल के अनुरूप रखना बताया गया।
- आयुष हाम्योपैथिक डाक्टर के साथ हाम्योपैथिक फार्मासिस्ट न होने से कठिनाई होती है, चिकित्सक को दवाओं के लिये प्लास्टिक कन्टेनर अपने पैसे से खरीदने पडते है।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 8 स्टाफ नर्स होने के बाद भी डयूटी रोस्टर नही होने से समस्या होने के बारे में शिकायत प्राप्त हुई, जिसके सम्बन्ध में चिकित्सा अधीक्षक से वार्ता की गई।
- ब्लाक स्तर से एम0टी0सी0एस0 का वर्क प्लान जनरेट करके ए0एन0एम0 को नहीं दिया जा रहा है।
- ओ0टी0 के उपकरणों को नियमित रूप से विसंक्रमित नहीं हो रहा है, जिस पर चिन्ता व्यक्त की गई।
- ए0एन0एम0 को एम0टी0सी0एस0 का वर्क प्लान जनरेट करके नहीं दिया जा रहा है। एम0टी0सी0एस0 का डैशबोर्ड नहीं बनाया गया।

♦ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मिठौरा (जग्दौर), जनपद– महराजगंज

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कछौना में पर लगभग 40 से 50 प्रसव प्रतिमाह कराये जाते है।
- इमरजेन्सी ड्रग लिस्ट ट्रे के साथ उपलब्ध नहीं थी।
- चिकित्सा अधीक्षक को दवाओं के स्टाक तथा इंडेन्ट के सत्यापन किसी सक्षम स्तर से कराये जाने की आवश्यकता है।

- बायो मेडिकल वेस्ट के संदर्भ में कलर कोडड बिन नहीं पाये गये, तथा कचरे के निस्तारण की भी व्यवस्था नहीं थी।
- आयुष हाम्योपैथिक डाक्टर के साथ हाम्योपैथिक फार्मासिस्ट न होने से कठिनाई होती है, चिकित्सक को दवाओं के लिये प्लास्टिक कन्टेनर अपने पैसे से खरीदने पडते है।
- स्टार्फ नर्स द्वारा नर्स मेन्टर के सहयोग से पार्टोग्राफ मेन्टेन किया जा रहा था, किन्तु केस शीट नही भरी जा रही है।
- प्रसव कक्ष का टायलेट अत्यधिक गन्दा व भरा हुआ था।

♦ **<u>प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिसवां, जनपद–महराजगंज</u>**

- कोल्ड चेन कक्ष में डीप फ्रिजर में आइस पैक गलत ढंग से रखे पाये गये, जिन्हे प्रोटोकाल के अनुरूप रखना बताया गया।
- आशा क्लस्टर बैठक में भागीदारी की गई जिसमें आशाओ द्वारा विगत 3 माह से मानदेय न मिलने की समस्या बताई गई जिसपर प्रभारी चिकित्साधिकारी से चर्चा की गई। आशाओं से परिवार नियोजन के उपायों समेत मिलने वाले मानदेय पर चर्चा की गई।
- Vit. K व Mag. Sulph सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द में स्टाक में नहीं थी।
- बायो मेडिकल वेस्ट के संदर्भ में कलर कोडड बिन नहीं पाये गये, तथा कचरे के निस्तारण की भी व्यवस्था नहीं थी।
- ए0एन0एम0 को एम0टी0सी0एस0 का वर्क प्लान जनरेट करके नहीं दिया जा रहा है। एम0टी0सी0एस0 का डैशबोर्ड नहीं बनाया गया।

♦ **<u>जिला संयुक्त चिकित्सालय, महाराजगंज</u>**

- चिकित्सालय की साफ सफाई ठीक नही थी, बाथरूम बहुत गंदा था, बेसिन में पाइप नहीं थी, कचरा निस्तारण की कोई भी ऐजेन्सी कचरा उठाने नहीं आती थी। बायो मेडिकल वेस्ट के संदर्भ में कलर कोडड बिन नहीं पाये गये।
- अल्टासाउण्उड का फार्म–एफ नही भरा जा रहा था। इमरजेन्सी ड्रग लिस्ट ट्रे के साथ उपलब्ध नहीं थी।